BOSM 2022

स्पर्धा

दिवस 4 | अंक 1

Photo Credits:
Sports Publicity and Design Team

हिन्दी प्रेस क्लब

संपादकीय

क्या आप इस वर्ष के सबसे बड़े खेल उत्सव का हिस्सा नहीं बन सके? मैं क़तर में आयोजित होने वाले फुटबॉल वर्ल्ड कप या ऑस्ट्रेलिया में चल रहे क्रिकेट के T20 विश्व कप की बात नहीं कर रहा। मैं तो बात कर रहा हूँ उस प्रतियोगिता की जो भारत के एक सुदूर गाँव में आयोजित होने के बाद भी कॉलेज के छात्रों में काफ़ी लोकप्रिय है। आइये मैं आपको इस व्यंगात्मक लेख के माध्यम से बिट्स ओपन स्पोर्ट्स मीट (बॉसम) का अनुभव करवाने का प्रयास करवाता हूँ।

तो आप पिलानी आगये, अब बस आपको जाके अपने रुकने की व्यवस्था के बारे में पता करना है और अपने मैच से पहले आराम से रुकना है। अरे आपको क्या लगा सब इतना ही आसान होगा? अगर ऐसा होता तो बात ही क्या होती। आपके स्वागत में आरती की थाली तैयार करते करते हो सकता है कि सुबह से शाम हो जाए पर घबराइए मत, आपका स्वागत अवश्य होगा। अब किसी तरह आपको स्वागतकर्ताओं से पीछा छुड़ा कर अपने कमरे में जाना पड़ेगा जहाँ विश्राम करके आपको घर के गद्दों की बिकुल भी याद नहीं आएगी। रात को इतना आराम मिलने की बाद जब आप अगली सुबह बिट्स की मेस में भोजन करेंगे तब आपके मुँह से आता पानी शायद रोके नहीं रुकेगा। इसके बाद अपने इवेंट में हिस्सा लेने जाएंगे तब आपको एक चीज़ के लिए 6 काउंटर के चक्कर लगवाए जाएंगे। शायद यह भी खेल से पहले निर्धारित वार्म-उप का ही एक हिस्सा होता होगा। अब तक शायद आप किसी तरह अपने इवेंट के लिए मैदान में पहुंच गए होंगे। यहाँ आपको पता चलेगा कि कॉलेज के सभी छात्रों ने आपको चारों ओर से घेर लिया है और आपका ध्यान भटकाने के लिए आपके खिलाफ नारे लगा रहे हैं। खैर आपको उनकी भी व्यथा समझनी पड़ेगी, इतना शोर मचाने के बाद भी जब उनकी टीम मैच हार जाए तो उन्हें भी बुरा लगता होगा।

बहुत हो गयी खेलों की बात, अब बात करते हैं इन खेलों के साथ में आयोजित होने वाले प्रोफ-शोज़ की। जी हाँ आपके लिए आयोजित की जा रही है ख़ास EDM नाईट जिसको लेके सभी लोगों में इतनी उत्सुकता है कि प्रायोजकों ने इवेंट से आधे घंटे तक टिकट बेचने का कारनामा कर दिखाया है। कमाल है ना? ये सब बिट्स पिलानी के मैजिक का ही हिस्सा है। इसके अलावा बिट्स की आम जनता के लिए N2O भी आयोजित करवाया जा रहा है। वो कहते है ना अंत भला तो सब भला। अब शायद आपको अंदाज़ लग गया होगा की जब आप अगली बार बॉसम के लिए आएंगे तो आपको क्या अनुभव मिलेगा।

एक लेखक के तौर पे व्यंग करना तो मेरा काम है लेकिन मैं सभी कोसैक और डिपार्टमेंट की प्रशंसा करना चाहूंगा। मात्र एक बैच के पास पिछले बॉसम का अनुभव होते हुए भी उन सभी ने मिल कर इतने शानदार आयोजन को अंजाम दिया है। मुझे अनुमति दीजिये और ओएसिस आने तक इंतज़ार कीजिये कि बिट्स आपको कौन सा नया मैजिक दिखाता है।

अनुक्रमणिका

- ख़ास-क्लास
- शाम-ए-सुखान
- Day 3 नतीजे
- Day 4 महत्वपूर्ण मैच
- बेहतर से बेहतरीन तक का सफर...

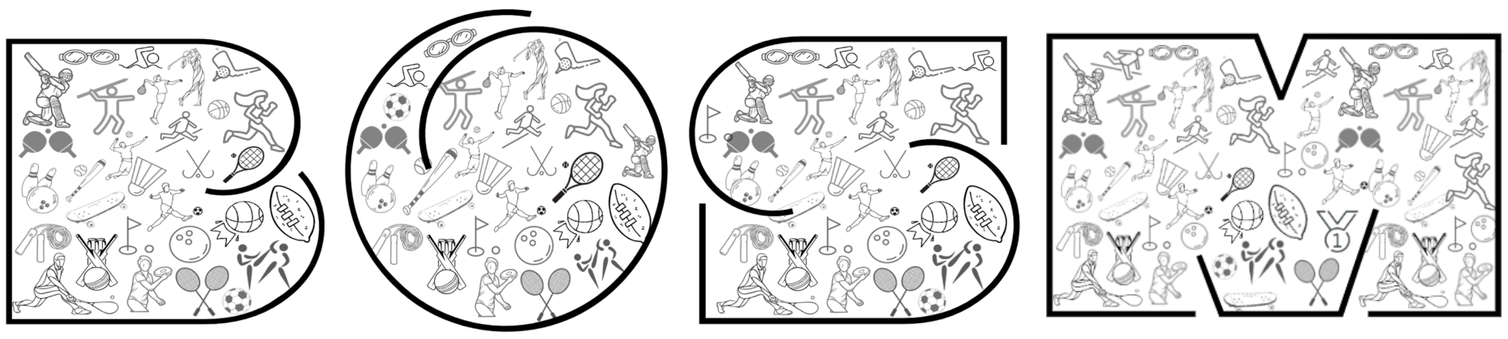

ख़ास-क्लास

"इंतहान हो गयी इन्तेज़ार की, आयी ना कुछ खबर मेरे यार की।" खबर आती भी कैसे ! मुझे अभी तक पता चल गया था कि आज मेरा कोई यार मेरे इस 50 मिनट के सफ़र में साथ नहीं देगा। सी.जी. बढ़ाने का भूत मेरे सर पर ऐसा चढ़ा कि भूल गया बॉसम के दौरान क्लासेस में उपस्तिथि बाहर की टीमों को मिलने वाले प्रोत्साहन जितनी गीर जाती है। इसका कारण छात्रों का खेल की तरफ आकर्षण नहीं बल्कि AUGSD की ओर से कोई परीक्षा न करवाने का दिशा निर्देश होता है। पर जब मैं इस परीक्षा और अंकों की मोह-माया से निकल क्लास पहुंचा तो हमारे अनुभवी अध्यापक मुझे देख के ऐसे चौंके जैसे शेर को देख कर हिरण। शेर से याद आया कि आज अध्यापक महोदय हर दूसरी क्लास की तरह शेर बनकर हम मासूम बच्चों का टयूट-टेस्ट नामक शास्त्र से शिकार नहीं कर पाएँगे। बहरहाल, मैं घड़ी ताकता रहा और अध्यापक जी मुझे।

जैसे ही 8 बजे की घंटी बजी हम दोनों समझ चुके थे कि हमारे बजाए आज कक्षा में और कोई नहीं आएगा। वह शायद अपने विषय-प्रेम का पालन कर रहें थे या दिशा-निर्देश का, परंतु में किस वजह से उस कक्ष में था मेरे मन में उसपर मंथन जारी था । जिस कक्षा में मैं आराम से घोटों की कतार के पीछे बैठता था, आज वहाँ केवल खाली बेंच थे। जैसे तैसे झिजक को कम करते हुए मैंने नमस्कार किया तो जवाब में नए अध्याय का नाम सुनने को मिला। धीरे-धीरे वह ब्लैक बोर्ड पर फार्मूले लिखते गए और मैं उसे अपनी पुस्तक में छापता गया। न वोह इधर-उधर की बात करते और न मैं कुछ बोलने की हिम्मत जुटा पाता।

“जी”, “समझ गया”, “हां, कोई प्रश्न नहीं है” मेरे आज के सहपाठी थे। जैसे ही घंटी बजी और मैं उनकी विदा लेने के लिए उठा तोह उनके एक सरल से प्रश्न ने मेरी सुबह की नींद उड़ा दी। जब उन्होंने मुझसे पूछा कि आज की ख़ास “रीविशन क्लास” में मुझे सब समझ आया तोह मुझे ठनका कि जो भी मैं पिछले एक घंटे से लिख रहा था वोह सब मैंने पिछली कक्षाओं में किया हुआ था पर मेरी आधी नींद की आवस्था ने मेरे ध्यान को इतना कमज़ोर कर दिया था कि मैं यह समझ ही नहीं सका। बॉसम में उपस्तिथि कि समस्या से अवगत, अनुभवी अध्यापक महोदय ने इसलिए यह “ख़ास-क्लास” रखवाई थी क्योंकि उन्हें विशवास था कि कोई आएगा नहीं परंतु मै सुबह-सुबह अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार आया। अब इससे पहले कि मैं अपने होश संभल पाता दूसरी क्लास का समय हो गया और घोटों की कतार बननी शुरू हो गयी।

शाम-ए-सुखान

"मिलते हैं यार, सजता है मुशायरा, मिटते हैं सभी दुखन, हमें तो खूब मज़ा आया, आपकी भी रही हो शाम सुखन"
BOSM के इस तीव्र तथा गरम माहौल में पोएट्री क्लब तथा रागमलिका ने मिलकर मन को, दिल को एक सुकून की ठंडक पहुंचाई।

आजकल जब कवाली संगीत धीरे-धीरे लोगों के ज़हन से मिटता जा रहा है, वहीं शाम–ए–सुखन ने उस संस्कृति को फिर से जगा दिया। प्रसिद्ध कवालियां जैसे छाप तिलक, ताजदार–ए–हरम ने तो महफ़िल जमाई ही, पर इस पर चार चांद पोएट्री क्लब के शेरों–शायरी ने लगाए। SAC amphitheatre में हुए इस कार्यक्रम की ध्वनि बिट्स के अध्यापकों तक भी पहुंची और वे भी इसका लुफ्त उठा रहे थे।

इस सूफियाने माहौल में गर्मी भी अवश्य रही होगी क्योंकि दर्शकों के पास बैठने तक की जगह नहीं थी। तालियों की गड़गड़ाहट भी खूब थी क्योंकि संगत के साथ-साथ समस्त जनता भी इनके धुन में खो गई थी। बात तो ललित जीना और संस्कार झाझड़िया की करनी बनती है जिन्होंने अपने सेंटी सेम में सबको सेंटी कर दिया तथा सत्यम श्रीवास्तव जिन्होंने दर्शकों का मन लगाए रखा।

कुल मिला के यह एक रंगीन तथा मधुमय कार्यक्रम था जिसकी जितनी तारीफ़ की जाए उतनी कम। ऐसी सूफिया शामें और होनी चाहिए जिससे लोग खूब आनंद उठा सकें।

DAY 3 नतीजे

EVENT	MATCH	WINNER
Football Girls	BBVP VS MODY UNI	BBVP
Football Girls	BITS P VS KAMLA NEHRU	BITS PILANI
Football Girls	GOVT. SCHOOL VS BBVP-A	BBVP A
Basketball Boys	HANSRAJ VS SBN LAW SCHOOL	SBN LAW SCHOOL
Basketball Boys	IIIT KOTA VS JIIT	JIIT
Basketball Boys	RAMJAS VS SHAHEED BHAGAT SINGH	RAMJAS
Basketball Boys	BITS P VS BITS G	BITS G
Basketball Boys	BITS P ALUMINI VS MANAV RACHNA	BITS P ALUMINI
Basketball Girls	SRCC VS MODY	SRCC
Basketball Girls	BITS P VS RAMJAS	RAMJAS

DAY 4

महत्वपूर्ण मैच

Fixture	Stage
Cricket Boys	Finals
Squash	Finals
Football Girls	Finals
Basketball Boys	Finals
TT Girls	Finals
Football Boys	Finals
Basketball Boys	3rd Place
Athletics Boys	Finals
Atheletics Girls	Finals
Volleyball Boys	Semis

BASKETBALL

बास्केटबॉल का क्वॉर्टर फाइनल मैच बिट्स एलुमनाई बनाम मानव रचना यूनिवर्सिटी के बीच खेला गया। बिट्स के खिलाड़ी बिट्टू (जर्सी नंबर 8) ने बहुत ही बढ़िया खेल का प्रदर्शन किया। शानदार डिफेंस और बढ़िया अटैकिंग स्टाइल से एलुमनाई ने अच्छे फासले के साथ मानव रचना यूनिवर्सिटी की टीम को शिकस्त दी। मैच के दौरान दर्शकों का जोश भी देखने लायक था। बार-बार तालियों और नारों से वे अपनी-अपनी टीम का उत्साहवर्धन कर रहे थे। विपक्षी टीम ने भी काफ़ी अच्छा मुकाबला दिया। दूसरे क्वॉर्टर तक स्कोर काफ़ी पास - पास थे। आशा है आज के सेमीफाइनल और फाइनल में भी ऐसे ही शानदार खेल देखने को मिलेंगे।

CARROM

बॉसम के तीसरे दिन कैरम प्रतियोगिता का सेमीफ़ाइनल का आयोजन हुआ | यह मुक़ाबला बिट्स पिलानी A टीम और TCET मुंबई के बीच में खेला गया | यह मुक़ाबला एक टीम इवैंट था जिसमे कुल चार मैच खेले जाने थे, जिसमें से दो मैच सिंगल्स थे और दो डबल्ज मैच थे | पहला मैच बिट्स A के केशव और TCET के हर्षिध के बीच हुआ , यह मुक़ाबला शुरुआत से ही बिलकुल एकतरफ़ा रहा जिसमें केशव ने लगातार अच्छा प्रदर्शन करके पूरे खेल के दौरान दबाव बना के रखा और 26-0 से पाँच राउंड के अंदर ही करारी शिकस्त दी | अगला सिंगल मुक़ाबला था बिट्स के अनिरुद्ध और TCET के आकाश के बीच, यह मुक़ाबला काफ़ी दबाव वाला रहा, आखिरी तक कांटे की टक्कर रही, इस मुक़ाबले में फ़ौल को लेकर भी काफ़ी विवाद हुआ और काफी स्लेड्जिंग भी देखने मिली पर अंततः यह मुक़ाबला आकाश ने 16-29 से अपने नाम किया | डबल्ज के लिए TCET की केवल एक ही टीम मौजूद थी तो दो मुक़ाबले में से एक में बिट्स को बाइ मिल गयी| आखिरी मुक़ाबला डबल्ज का था जो कि बिट्स के आयुष, अनिरुद्ध और TCET के आकाश, हर्षिध के बीच हुआ | इस कांटे की टक्कर में बिट्स 21-16 से विजय हुआ और अंततः पूरा मैच 3-1 से अपने नाम कर लिया | इससे बिट्स टीम कैरम के फाइनल्स में प्रवेश कर गयी |

DAY 3

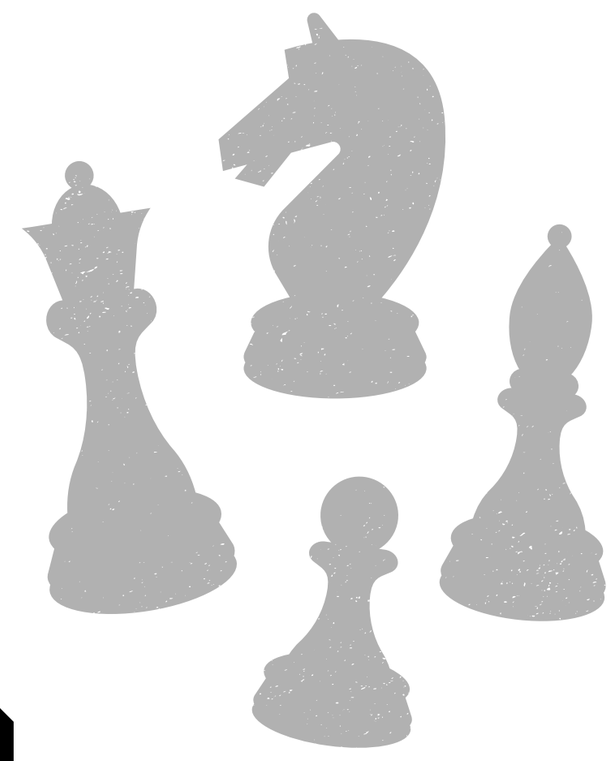

CHESS

आज शतरंज में हुई SEMI FINALS की प्रतियोगिता में चार टीमों के बीच मुकाबला हुआ- बिट्स पिलानी- A,B एवं बिट्स गोवा-A,B। मैच के दौरान बिट्स पिलानी की टीम ने आर्बिटर के कहने पर खेलने का आर्डर बदल लिया जो रूल बुक में लिखा नहीं था। अब मैच के समय बिट्स गोवा A ने बिट्स पिलानी B पर ये कहकर मैच खारिज करना चाहा की यह गलत , ऑर्डर बदल नहीं सकते हैं। फिर उन्होंने कहा कि बिट्स पिलानी A भी नहीं खेल सकता जबकी उनका मैच बिट्स गोवा A के साथ था भी नहीं। इस वजह से बिट्स पिलानी A का बिट्स गोवा B के साथ दोबारा मुकाबला करवाया गया जिसमें पुनः बिट्स गोवा को हार का सामना करना पड़ा।

बाबॉसम के दूसरे दिन स्केटिंग रोलबॉल के दो मैच का आयोजन हुआ। पहले मैच में बिट्स पिलानी बी टीम का मुकाबला झुंझुनू की एक अकादमी से था जिसमें बिट्स की टीम को इकतरफा हार का सामना करना पड़ा। रोलबॉल के फाइनल मैच में बिट्स पिलानी ए टीम का मैच राजस्थान रोलबॉल टीम से हुआ जो की सीकर की एक प्राइवेट अकादमी है, क्योंकि दोनों टीमों में नेशनल लेवल के खिलाड़ी थे इसलिए इस मैच में दर्शको की तादात काफी ज़्यादा थी। सीकर की टीम ने ये फाइनल मैच काफ़ी आसानी से जीत लिया और अंतिम स्कोर 11-23 रहा । मैच के अंतिम क्षणों में सीकर की टीम ने बिट्स की टीम की काफ़ी स्लेजिंग भी की। बिट्स की तरफ से अघा ने सबसे अधिक स्कोर किया और सीकर टीम से विक्की ने पूरे मैच में सबसे ज्यादा गोल दागे।

ROLLBALL

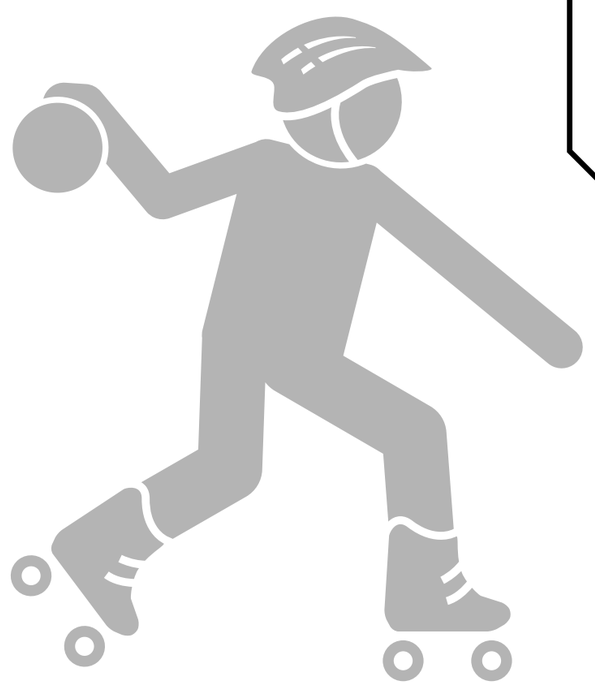

मुख्य अंश

FOOTBALL

“बॉसम के दूसरे दिन का आगाज़ बॉय्ज़ फुटबॉल मैच के सेमीफाइनल के साथ हुआ। मैच, टीम बिट्स और टीम भगत के बीच थी जिसमें टीम भगत ने टीम बिट्स को 1-0 से शिकस्त प्रदान की। बिट्स टीम की शुरूआत काफ़ी शानदार रही और वे अपने प्रतिद्वंदी टीम पर दबदबा बनाने का पूरा प्रयास कर रहे थे। टीम ने पहले हाफ में गोल करने की काफी कोशिश भी की परन्तु टीम भगत ने लॉन्ग बॉल खेलकर, खेल को अपने हक में कर लिया। टीम बिट्स के कार्नर गेम को प्रतिद्वंदी टीम ने काउंटर अटैक में तब्दील किया और गोल करने में सफल रहे। दूसरे हाफ में टीम ने खेल में वापसी करने का पूरा प्रयास किया परन्तु गोल करने में नाकाम रहे। मैच को लेकर हमने सईद हानी से भी बात की तो उन्होंने बतया कि रेफरी ने मैच को 25 मिनट में ही समाप्त कर दिया जबकि नियम के अनुसार मैच 30 मिनट का होना चाहिए। खैर, मैच के विजेता टीम, भगत, फाइनल में अपनी जगह बनाने में सफल रहे।

VOLLEYBALL

“पहले सेट में बिट्स पिलानी की टीम ने एलुमनाई टीम को हरा दिया परंतु टाइगर (मनीष) भैया ने अपनी शानदार प्रदर्शन से सबका दिल जीता। दूसरे सेट में 37-35 से एल्युमिनी टीम जीती, परंतु इसके बाद बिट्स पिलानी टीम ने शानदार कमबैक कर 25-21, 25-19 से दो सेट जीतकर मैच जीत लिया। सभी एलुमनाई अपने समय के कप्तान रह चुके है, इन सेटो के बीच हमे बिट्स टीम के कप्तान और कोच के बीच काफी अनबन देखने को मिली।

बेहतर से बेहतरीन तक का सफर...

पुरुष वर्ग के पॉवरलिफ्टिंग के 3 दिन और छै पारियो में हुए वजन श्रेणी के लिफ्ट कल ख़त्म हुए। इसी के साथ बिट्स पिलानी के पिलानी कामोउस ने कुल 9 पदकों पर अपना कब्ज़ा जमाया। बिट्स पिलानी पॉवरलिफ्टिंग के कप्तान 93+ श्रेणी में कुल 537.5 किलो वजन उठाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया तो वहीँ टीम के उपकप्तान उत्कर्ष अधिकारी ने 69-74kg श्रेणी में रजत पदक दिलाया। 3 दिनों तक चली इस प्रतियोगिता में लोगों के बीच खूब उत्साह देखने को मिला। प्रतियोगिता में IIIT कोटा, मानव रचना यूनिवर्सिटी, बिट्स गोवा, BKBIET, बिट्स पिलानी और मणिपाल के लिफ्टर्स ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।पूरे समय ३ निष्पक्ष रेफरी ने खेल अनुशाशनऔर शिष्टता सुनिश्चित की। खेल भावना दिखते हुए सभी खिलाडी एक दुसरे क उत्साह वर्धन करते हुए दिखाई पड़े।

निश्चित तौर पर टीम के द्वारा जिम में बहाए गए पसीने के बदौलत कुल 9 पदक जीतकर कॉलेज का नाम रोशन किया। टीम कप्तान उत्कर्ष सिंह ने बताया की वे टीम के इस प्रदर्शन से काफी खुश हैं हालांकि अभी टीम को अपने आपको निखारने में और मेहनत करनी है। टीम के हर सदस्य ने अपने आपको पनि सीमाओं के परे ढलते हुए अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन दिया। टीम के प्रादार्चन की तर्ज पर वे कॉलेज प्रशासन से और बेहतर संसाधनों की उम्मीद करते हैं। डाइट से लेकर संसाधनों तक हर चीज से संघर्ष करते हुए सदस्यों ने अपनी दिखाई है। टीम मेंबर्स आगे आने वाली प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

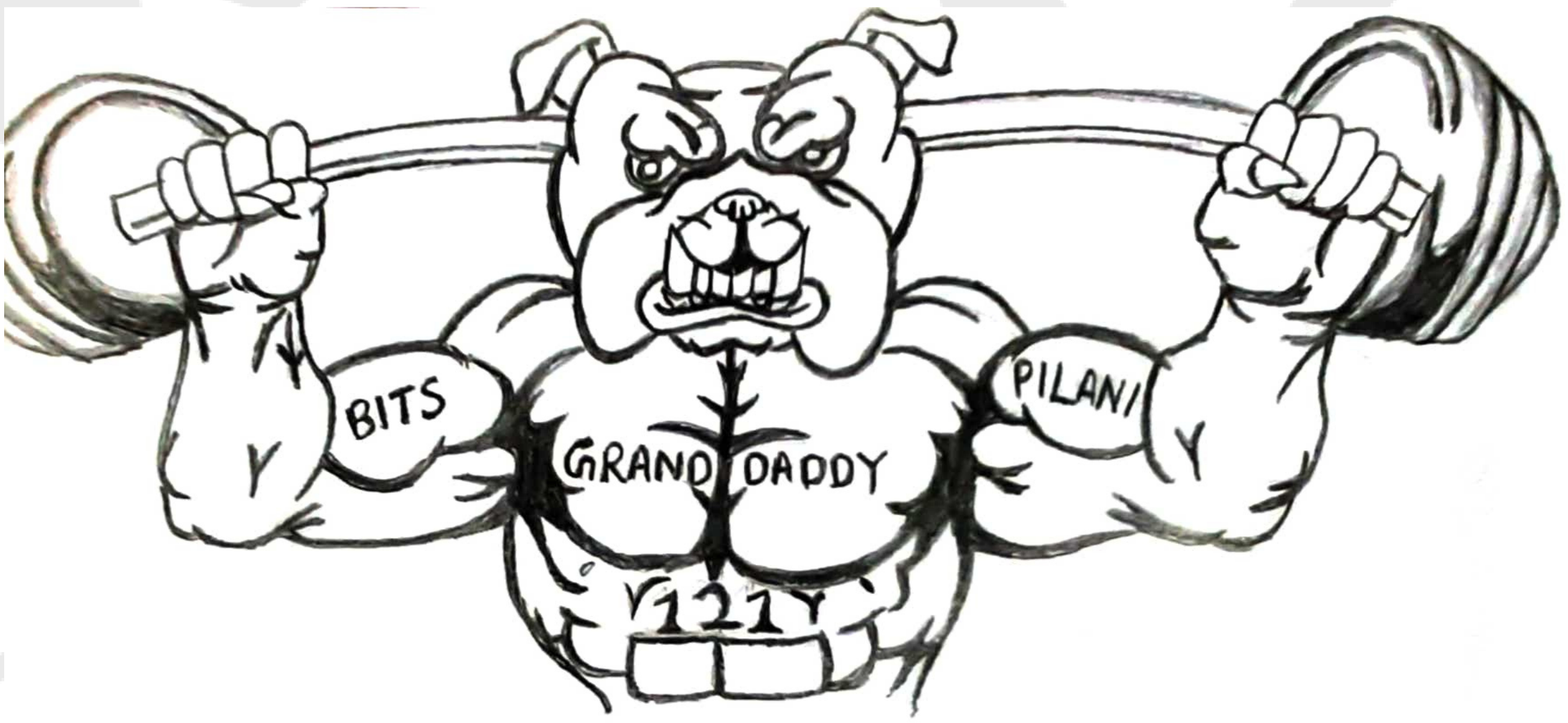

BOSM

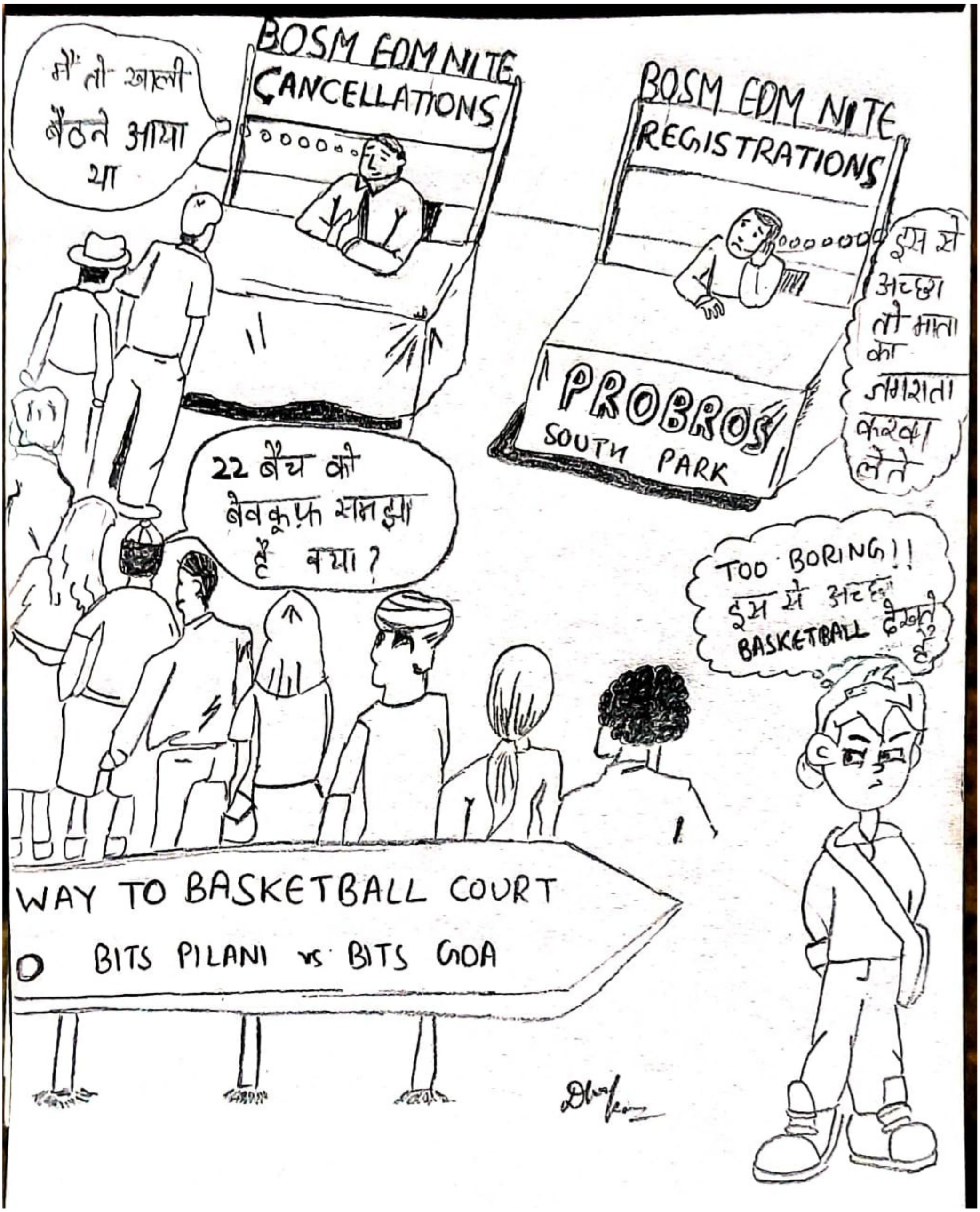

BOSM EDM NITE
CANCELLATIONS
मैं तो खाली बैठने आया था
BOSM EDM NITE
REGISTRATIONS
PROBROS
SOUTH PARK
इस से अच्छा तो माता का जगराता करवा लेते
22 बैच को बेवकूफ समझा है क्या?
TOO BORING!! इस से अच्छा BASKETBALL देखती हूँ
WAY TO BASKETBALL COURT
BITS PILANI vs BITS GOA

बॉसम हिंदी प्रेस

नया नया, वेल्ला, बड़ी मां, बॉन्ड

गुंडा, प्याज़, ७ शॉर्ट लिस्ट माफ़, रम्मी, गुम, बैक CNot, विलुप्त, दद्दा डीलर, डिसक्वालिफाइड, सूरजमुखी, मार्गरिटा, १२th मै

अद्रश्य, नेताजी, 7अप,विदाई,कबूतर,बालक,बहू,देसी,जय,वीरू,मिस्टर इंडिया,इंदौरी,उछल कूद,पोकर, बोरियत